Ch 15

प्रश्न 1. मुहावरों के वाक्य-प्रयोग के बारे में सही विकल्प चुनकर V का निशान कीजिए :

(1) फूला न समाना - अत्यंत खुश होना

(के) हर्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने के कारण फूला न समाया ।

(ख) मोनाली स्कूल में प्रथम नंबर आई, इसलिए वह फूली न समाई।

(ग) शेठ पानाचंद की जायदाद लुट गई इसलिए वे फूले न समाए।

2.ऊँचे चढ़ना- प्रगति करना

(क) दीपाली अंग्रेजी विषय में दिन-प्रतिदिन ऊंचे चढ़ना चाहती है।

(ख) हितेश एक ही कक्षा में दो साल रहकर ऊँचे चढ़ना चाहता है।

(ग) बच्चे पेड़ पर ऊँचे चढ़ने का खेल खेलते हैं।

(3) अभिवादन करना - सत्कार करना

(क) आयुषी ने वक्तृत्व स्पर्धा में अच्छा वक्तव्य दिया, इसलिए उसके पिता दर्शनकुमार ने उसका अभिवादन किया।

(ख) तनीश आम खा रहा था, इसलिए उसके मित्र में उसका अभिवादन किया।

(ग) शिल्पा दौड़ में हार गई। इसलिए उसकी मम्मी ने उसका अभिवादन किया।

प्रश्न 2. चित्र देखकर कहानी कहिए (लिखिए) :

1. कछुआ और खरगोश के बीच स्पर्धा हुई ।
2. खरगोश तेज़ दौड़ रहा है ।
3. खरगोश सो गया ।
4. कछुआ जीत गया ।

घमंडी का सिर नीचा

एक जंगल था। उसमें एक खरगोश रहता था। उसे अपनी तेज चाल पर खूब घमंड था। उसी जंगल के तालाब में एक कछुआ भी रहता था। खरगोश उसकी धीमी चाल पर हंसता था। एक बार उसने कछुए के साथ दौड़ने की शर्त लगाई।

दौड़ शुरू हुई। खरगोश ने कछुए को जल्दी ही पीछे छोड़ दिया। आगे जाकर

उसने देखा कि कछुआ बहुत पीछे है। उसने सोचा - क्यों न थोड़ा आराम कर लू?

वह एक पेड़ के नीचे आराम करने बैठा। थोड़ी ही देर में उसे झपकी आ गई और वह सो गया। कछुआ धीरे-धीरे चलता रहा। वह खरगोश को सोया हुआ देखकर चुपचाप आगे निकल गया खरगोश ने जागकर देखा कि कछुआ लक्ष्य पर पहुंच गया है। इस प्रकार कछुआ दौड़ में जीत गया और खरगोश हार गया ।

सीख : घमंड का परिणाम बुरा होता है।

• इस कहानी के आधार पर अपने साथियों से पूछने के लिए प्रश्न बनाकर लिखिए:

(1) खरगोश को किस बात का घमंड था?

(2) कछुआ कैसे चलता है?

(3) कछुआ और खरगोश के बीच किस बात की स्पर्धा हुई?

(4) खरगोश ने कछुए से आगे जाकर क्या किया ?

(5) स्पर्धा में जीत किसकी हुई ?

(6) इस कहानी से क्या सीख मिलती है?

प्रश्न 3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) खरगोशों के बिल कहाँ थे?

➢ खरगोशों के बिल सरोवर के किनारे गीली जमीन के अंदर थे।

(2) खरगोशों का सरदार क्या बोला ?

➢ खरगोशों का सरदार बोला - "हम चाँद के भानजे हैं। मामा रोज सरोवर में हमसे मिलने आते हैं। वे आपसे नाराज हैं।"

(3) पूर्णमासी का चांद कैसा है?

➢ पूर्णमासी का चाँद गोल है।

(4) तालाब में क्या दिखाई दे रहा है?

➢ तालाब में चाँद दिखाई दे रहा है। वह लहरों के साथ-साथ ऊपर-नीचे हो रहा है।

(5) चंदामामा से माफी कौन मांग रहा है?

➢ हाथियों का सरदार चंदामामा से माफी मांग रहा है।

प्रश्न 4. गुजराती में अनुवाद कीजिए:

(1) सरोवर के किनारे गीली जमीन थी।

- સરોવરના કિનારે ભીની જમીન હતી

(2) हम चाँद के भानजे है।

- અમે ચંદ્રના ભાણેજ છીએ

(3) हाथियों के झुंड में कुछ शरारती हाथी थे।

- હાથીઓના ટોળામાં કેટલાક તોફાની હાથી હતા

(4) खरगोशों के सरदार ने एक उपाय सोचा।

- સાસલના આગેવાને એક ઉપાય વિચાર્યો

प्रश्न 5. संदर्भ पुस्तक पढ़कर पता कीजिए और लिखिए कि पूर्णमासी कब होती है और अमावस्या कब?

- प्रत्येक भारतीय महीने के शुक्लपक्ष के अंत में (पंद्रहवें दिन) पूर्णमासी कृष्णपक्ष के अंत में (पंद्रहवें दिन) अमावस्या होती है। चंद्र जब पृथ्वी की छाया में आ जाता है, तब पृथ्वीवासियों को दिखता नहीं है। उस रात अमावस्या होती है। जबकि चंद्र पृथ्वी की छाया से बाहर निकलकर पूर्ण रूप से थाली जैसा गोल चमकता हुआ दिखता है उस रात को पूर्णिमा होती है।